කැලණිය විශ්වවිද්‍යාලය - ශ්‍රී ලංකාව

දූරස්ථ සහ අඛණ්ඩ අධ්‍යාපන කේන්ද්‍රය

ශාස්ත්‍රවේදී (සාමාන්‍ය) උපාධි තෙවන පරීක්ෂණය (බාහිර) - 2021

2024 සැප්තැම්බර්

මානවශාස්ත්‍ර පීඨය

හින්දි

හින්දි - HIND E 3025

නූතන හින්දි ගද්‍ය සාහිත්‍යය (නියමිත සහ අනියමිත)

MODERN HINDI PROSE (SPECIFIED AND UNSPECIFIED)

ප්‍රශ්න සංඛ්‍යාව ៖ 06යි　　　　　　　　　　කාලය ៖ පැය 03යි

केवल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रश्न संख्या 01 तथा 02 अनिवार्य हैं।**

01. निम्नलिखित गद्यांशों में से **किन्हीं दो** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। (20 अंक)

(क) "बहन ने तो किसी को कुछ नहीं कहा, किसी से लड़ाई नहीं की, क्या इस तरह एक दिन मुझे भी ये लोग निकाल देंगे? मैं भी इसी तरह कोने में बैठकर रोऊँगी और किसी को मुझपर दया न आएगी?"

(ख) "मौका हाथ में आ गया, सारा बल लगाकर पाटा उसने बिल्ली पर पटक दिया। कबरी न हिली, न डुली, न चीखी, न चिल्लायी, बस एकदम उलट गयी।"

(ग) "उन्हें भी भारत में जीना–मरना है। हमारी तरह भारत उनकी भी कर्मभूमि हो चुकी है। ...... उन्हें रहना पड़ेगा और हमें उन्हें रखना होगा। वे हमें अपना समझें और हम उन्हें, यही स्वाभाविक है, यही उचित है।

02. निम्नलिखित गद्यांश की भावार्थ सहित व्याख्या कीजिए। (20 अंक)।

धरती पर जीवन के लालन–पालन के लिए पर्यावरण प्रकृति का उपहार है। वह प्रत्येक तत्त्व जिसका उपयोग हम जीवित रहने के लिए करते हैं, वे सभी पर्यावरण के अंतर्गत हैं, जैसे– हवा, पानी, प्रकाश, भूमि, पेड़, जंगल और अन्य प्राकृतिक तत्त्व। हमारा पर्यावरण धरती पर समस्त जीवन को अस्तित्व में रखने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। फिर भी हमारा पर्यावरण दिन–प्रतिदिन मानव निर्मित तकनीक तथा आधुनिक युग के आधुनिकीकरण की वजह से नष्ट हो रहा है। इसलिए आज हम पर्यावरण–प्रदूषण जैसी सब से बड़ी समस्या का सामना कर रहे हैं।

03. पठित अंश के आधार पर **निर्मला** उपन्यास में निरूपित एक चरित्र का वर्णन कीजिए। (20 अंक)

04. **'राखी का मूल्य'** एकांकी में कौन सी कहानी है? स्पष्ट कीजिए। (20 अंक)

05. **'प्रायश्चित्त'** कहानी का कथा सारांश अपनी हिंदी में लिखिए। (20 अंक)

06. **'बैजू मामा'** रेखाचित्र में निरूपित 'बैजू मामा' के चरित्र पर अपना विचार प्रकट कीजिए। (20 अंक)

****